



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 20]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 10, 1996/श्रावण 19, 1918

No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 10, 1996/SHRAVANA, 19, 1918

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे कि यह अलग
संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—बाण 3—खण्ड (III)

PART II—Section 3—Sub-section (III)

देशीय अधिकारियों (संघ राज्य अकादमी प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union
Territories)

भारत निवाचिन आयोग

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1996

आ. अ. 84 :—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) को भारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निवाचिन आयोग, पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र सरकार के परामर्श से श्री एस. हेमचन्द्रन, आई. ए. एस., सचिव, पांडिचेरी सरकार को पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निवाचिन अधिकारी के रूप में, उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आवेदनों तक, श्री बी. बी. सेल्वाराज के स्थान पर एतदादारा नामित करता है। उन्हें राज्य सचिवालय में निवाचिन आयोग के अधीन निवाचिन संबंधी कार्यों के विभाग में सरकार के सचिव के रूप में पदाभिहित किया जायेगा।

2. आयोग ने नोट किया है कि श्री एस. हेमचन्द्रन के पास स्थानीय प्रशासन और शिक्षा का अधिकार कार्यभार है। आयोग पांडिचेरी राज्य-क्षेत्र में पूर्णालिक मुख्य निवाचिन अधिकारी के लिए जोर नहीं दें रहा है क्योंकि राज्य में दो से अधिक संसदीय निवाचिन-क्षेत्र नहीं हैं।

जैसे ही साधारण निवाचिन समिक्षक होते हैं, श्री एस. हेमचन्द्रन को सभी और प्रत्येक अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर दिया जाए और एक अनुपालन रिपोर्ट आयोग को भेज दी जाए।

3. मुख्य निवाचिन अधिकारी, पांडिचेरी के रूप में कार्य करते हुए श्री एस. हेमचन्द्रन आयोग से पूर्व लिखित स्वीकृति लिए बिना, ऊपर पैरा 2 में उल्लिखित कार्यभारों के अतिरिक्त पांडिचेरी सरकार के प्रधीन कोई अन्य कार्यभार ग्रहण नहीं करेंगे।

4. साधारण निवाचिन के समिक्षक आने पर यदि श्री एस. हेमचन्द्रन को उनके सभी अतिरिक्त कार्यभारों से मुक्त नहीं किया जाता या आयोग से पूर्व लिखित स्वीकृति लिए बिना ऊपर पैरा 2 में वर्णित कार्यभार के अलावा किसी भी प्रकार का कोई अतिरिक्त कार्यभार सौंपा जाता है या ग्रहण करने का आदेश दिया जाता है तो वे इस आदेश की शर्तों के अनुसार, ऐसा अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मुख्य निवाचिन अधिकारी, पांडिचेरी के पदभार से अपने आप हटा दिए गए समझे जाएंगे और किसी श्रलग्न आदेश को जारी नहीं किया

जागरा अधिकारी करने की धाराशक्ता नहीं होगी। उसके पश्चात मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में छुट्टी और कार्य के तार्थकारित निर्वाचन में उसके द्वारा की गई सभी या कोई तार्थकारी अधिकारी के बिना नहीं और अत्र और शून्य होगी और वह स्वयं अनुशासनात्मक कार्यवाद के भागों होंगे।

[सं. 154/पांडि. 96]

आदेश में
के. पी. जी. कुट्टी, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 19th July, 1996

O.N. 84.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of the Union Territory of Pondicherry hereby nominates Shri S. Hemachandran IAS, Secretary to the Government of Pondicherry as Chief Electoral Officer for the Union Territory of Pondicherry with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri B. V. Selvaraj. He will also be designated as Secretary to the Government in the department in the State Secretariat dealing with elections under the Election Commission.

2. The Commission has noted that Shri S. Hemachandran has additional charge of Local Administration and Education. The Commission is not insisting on a full-time Chief Electoral Officer in the Union Territory of Pondicherry as the Union Territory has not more than two Parliamentary Constituencies. As soon as a general election becomes imminent, Shri S. Hemachandran shall be divested of all and every additional charge and a compliance report sent to the Commission.

3. Shri S. Hemachandran while functioning as Chief Electoral Officer, Pondicherry, shall not hold, without the prior written approval of the Commission any additional charge, whatsoever, under the Government of Pondicherry over and above the charges mentioned in paragraph 2 above.

4. If Shri S. Hemachandran is not divested of all his additional charges as soon as a general election becomes imminent or is entrusted with or ordered to hold any additional charge of any kind whatsoever over the above the charge mentioned in paragraph 2 above, without the prior written approval of the Commission, Shri S. Hemachandran will stand removal from the office of the Chief Electoral Officer, Pondicherry from the date of assumption of any such additional charge in terms of this very order and no other order will, or need to, be issued. All and any action taken by him thereafter in the discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be

unauthorised, without jurisdiction, non-est and null and void and he shall render himself liable to disciplinary action.

[No. 154/Pond. 96]

By order,
K. P. G. KUTTY, Secy.

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1996

आ. अ. 85 :—यतः दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र के 6 ओखला विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से नवम्बर 1993 में हुए विधान सभा के साधारण निर्वाचन के निः निर्वाचन लड़ने वाले अस्थर्थी श्री मो. मुशीर खान, निवासी 118, गफ्फर मंजिल एक्सटेंशन, जामिया नगर, ओखला, नई दिल्ली-110025 को भारत निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अधीन तारीख 8 जनवरी, 1996 के अपने आदेश सं. 76/दिल्ली-वि. सं. 94 (9) द्वारा उक्त अधिनियम और उनके अधीन बनाए गए नियमों द्वारा यथा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन अविर्वाचन का लेखा दाखिल करने में असफल रहने के कारण निरहित कर दिया था और;

यतः उक्त श्री मो. मुशीर खान ने विधि द्वारा अपेक्षित रीति से लेखा दाखिल करने में अपनी असकलता का कारण बनाते हुए खुद पर लगाई गई निरहिता को हटाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के सम्मुख एक याचिका दाखिल की थी; और

यतः मामले के सभी तात्पर्यों को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम कीधारा 10क के अधीन 8 जनवरी, 1996 को आयोग के तारीख 9 जनवरी, 1996 के आदेश द्वारा श्री मोहम्मद मुशीर खान पर अध्यारोपित निरहिता की तारीख 3 जुलाई, 1996 के अपने आदेश द्वारा 3 जुलाई, 1996 से हटा दिया है।

यतः अब श्री मोहम्मद मुशीर खान का नाम भारत के राजपत्र और दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य-क्षेत्र के राजपत्र में यथा प्रकाशित आयोग के तारीख 8 जनवरी, 1996 के आदेश सं. 76/दिल्ली-वि. सं. 94/94 (9), से 3 जुलाई, 1996 को और इस तारीख से हटा दिया गया समझा जायेगा।

[सं. 76/दिल्ली-वि. सं. 94-डण्ड II]

आदेश से
प्रभास्त्राम खोहर, सचिव

New Delhi, the 8th July, 1996

O. N. 85.—Whereas Sh. Mohd. Mushir Khan, resident of 118, Gaffar Manzil Extension, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025, a contesting candidate for the General Election to the Legislative Assembly of National Capital Territory of

Delhi from 6-Okhla Assembly Constituency, held in November, 1993 was disqualified by the Election Commission of India vide its Order No. 76[DL-LA]94(9), dated 8th January, 1996 under Section 10A of the Representation of the People Act, 1951, for failure to lodge accounts of his election expenses in the manner as required by the said Act and Rules made thereunder; and

Whereas, the said Sh. Mohd. Mushir Khan had submitted a petition before the Election Commission of India for removal of disqualification imposed on him, giving reasons for his failure to lodge the accounts in the manner required by law; and

Whereas, taking into account all material facts of the case, the Election Commission, in exercise of the powers conferred by Section 11 of the Representation of the People Act, 1951, has vide its order dated 3rd July, 1996 removed the disqualification imposed upon Shri Mohd. Mushir Khan by the Commission's order dated 8th January, 1996 under Section 10A of the said Act, with effect from 3rd July, 1996.

Now, therefore, the name of Sh. Mohd. Mushir Khan shall deem to have been omitted from the Commission's order No. 76[DL-LA]94(9), dated 8th January, 1996 as published in the Gazette of India and in the National Capital Territory of Delhi Gazette, on and from 3rd July, 1996.

[No. 76[DL-LA]94-Vol.II]

By Order,
GHANSHYAM KHOHAR, Secy.

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1996

आ. अ. 86 :—यतः नवम्बर, 1993 में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य-क्षेत्र की विधान सभा के लिए हुए साधारण निर्वाचनों में 41-गांधी नगर विधान सभा निर्वाचन-क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अम्बरी, चौधरी जीत सिंह निवासी एकप 3700/सी-4, गली न. 5-6, सान्ति मोहल्ला, गांधी नगर, दिल्ली-110031 को, भारत निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के अधीन तारीख 7 सितम्बर, 1995 के अपने आदेश सं. 76/दिल्ली-वि. स./94(5) के द्वारा उक्त अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अपेक्षानुस निर्धारित में समय और अपेक्षित गति से निर्वाचन व्ययों का लेक्का दाखिल करने में असफल रहने के कारण, निरहित कर दिया था, और

यतः, उक्त चौधरी जीत सिंह ने विधि के अधीन निर्धारित समय में और अपेक्षित गति से निर्वाचन व्ययों का लेक्का दाखिल करने में अपनी असफलता का कारण देते हुए खुद पर अध्यारोपित निरहृता हटाने के लिए निर्वाचन आयोग के समक्ष याचिना दाखिल की थी; और

यतः, मामले से संबंधित सभी सारांश तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व

अधिनियम, 1951 की धारा 11 द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अधीन आयोग के तारीख 7 सितम्बर, 1995 के ग्रादेश द्वारा चौधरी जीत सिंह पर अध्यारोपित निरहृता को 3 जुलाई, 1996 के अपने ग्रादेश द्वारा 3 जुलाई, 1996 से हटा दिया है।

श्रतः अब, चौधरी जीत सिंह का नाम भारत के राजपत्र और दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य-क्षेत्र के राजपत्र में यथा प्रकाशित आयोग के ग्रादेश सं. 76/दिल्ली-वि. स./94(5) तारीख 7 सितम्बर, 1995 से 3 जुलाई, 1996 को और इसी तारीख से हटा दिया गया समस्त जानकारी।

[सं. 76/दिल्ली-वि. स./94-खण्ड II]

आदेश से,

घनस्थाम खोहर, सचिव

New Delhi, the 8th July, 1996

O. N. 86.—Whereas Ch. Jeet Singh, resident of X-3700/C-4, Gali No. 5-6, Santhi Mohalla, Gandhi Nagar, Delhi-110031, a contesting candidate for the General Election to the Legislative Assembly of National Capital Territory of Delhi from 41-Gandhi Nagar Assembly Constituency, held in November, 1993 was disqualified by the Election Commission of India vide its Order No. 76[DL-LA]94(5), dated 7th September, 1995 under Section 10A of the Representation of the People Act, 1951, for failure to lodge accounts of his election expenses in the stipulated time and manner as required by the said Act and Rules made thereunder; and

Whereas, the said Ch. Jeet Singh had submitted a petition before the Election Commission of India for removal of disqualification imposed on him, giving reasons for his failure to lodge the accounts in the stipulated time and manner required by law; and

Whereas, taking into account all material facts of the case, the Election Commission, in exercise of the powers conferred by Section 11 of the Representation of the People Act, 1951, has vide its order dated 3rd July, 1996 removed the disqualification imposed upon Ch. Jeet Singh by the Commission's Order dated 7th September, 1995, under Section 10A of the said Act, with effect from 3rd July, 1996.

Now, therefore, the name of Ch. Jeet Singh shall deem to have been omitted from the Commission's Order No. 76[DL-LA]94(5), dated 7th September, 1995 as published in the Gazette of India and in the National Capital Territory of Delhi Gazette, on and from 3rd July, 1996.

[No. 76[DL-LA]94-Vol. II]

By Order,
GHANSHYAM KHOHAR, Secy.

